कृषि लोक
कृषि एवं किसान के लिए ई-पत्रिका
http://www.rdagriculture.in
e-ISSN No. 2583-0937
कृषि लोक,खंड 03 (03): 140-143, 2023

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा: किसानों के लिए वरदान

सारिका, देश राज चौधरी, अजय कुमार, उमेश कुमार शर्मा एवं ज्योति रानी[1]

कृषि विज्ञान केन्द्र, झज्जर, चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
[1]इन्द्रिरा गाँधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर

Email: sarikaberwal23@gmail.com

***Received:* May, 2023; *Revised: May*, 2023 *Accepted: June*, 2023**

भारत एक कृषि प्रधान देश है जहां लोगों के जीवनयापन का मुख्य स्त्रोत खेतीबाड़ी है। मौसम और कृषि का बहुत गहरा सम्बन्ध है। यहाँ की अधिकांश भूमि पर असिंचित खेती होती है जहां पर फसल का पैदा होना या ना होना केवल प्रकृति पर निर्भर करता है। कृषि की सफलता काफी हद तक अनुकूल मौसम पर निर्भर करती है। असामान्य मौसम की स्थिति होने के कारण फसल उत्पादन में नुकसान काफी अधिक हैं। हालांकि, समय पर और सटीक मौसम पूर्वानुमान जानकारी के माध्यम से नुकसान को काफी हद तक कम किया जा सकता है। जिससे फसल को नुकसान से बचाया जा सकता है। कृषि में मौसम का प्रभाव देखते हुए भारत मौसम विज्ञान विभाग (पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय) ने ग्रामीण कृषि मौसम सेवा योजना का आगाज किया है। इस योजना का परम उद्देश्य कृषक समुदाय स्तर पर कृषि मौसम परामर्श सेवाएँ प्रदान करना है।

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा का लक्ष्य:

- किसानों द्वारा घर बैठे ही मौसम की नवीनतम जानकारी प्राप्त करने की सुविधा प्रदान करना।
- फसल की अवस्था के आधार पर कृषि सलाहकार बुलेटिन तैयार करना, विभिन्न संचार माध्यमों से इसका प्रसार करना तथा कृषक समुदाय तक समय पर यह जानकारी उपलब्ध करवाना।
- मौसम में अचानक परिवर्तन से होने वाले फसल नुकसान की संभावना को काफी हद तक कम करना।
- जिला और खण्ड स्तर पर आगामी 5 दिनों की कृषि मौसम सलाह बुलेटिन सप्ताह में दो दिन मंगलवार और शुक्रवार को जारी करना।
- किसानों की आय में वृद्धि और कृषि की लागत में कमी करना।
- किसानों एवं मौसम इकाइयों के मध्य संपर्क को बढ़ाना व हर जिले के प्रत्येक गाँव के किसानों तक यह जानकारी पहुँचाना ही इस योजना का लक्ष्य है।

e-ISSN No. 2583-0937

जिला कृषि मौसम इकाई

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा परियोजना को किसानों तक स्थान और फसल विशिष्ट मौसम आधारित कृषि सलाह पहुँचने के लिए शुरू किया गया है। इस योजना के अंतर्गत भारत मौसम विज्ञान विभाग और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद ने मिलकर कृषि विज्ञान केन्द्रों पर जिला कृषि मौसम इकाई स्थापित की है। इस इकाई के माध्यम से जिलेवार किसानों को मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवा प्रत्येक मंगलवार तथा शुक्रवार को प्रदान की जाती है। प्राप्त मौसम पूर्वानुमान एवं कृषि की स्थिति को ध्यान में रखकर कृषि वैज्ञानिकों द्वारा किये गए शोध और अनुभव के आधार पर कृषि मौसम परामर्श बुलेटिन तैयार किया जाता है और संचार के सभी संभव तरीकों का उपयोग करके ग्रामीण स्तर पर विभिन्न माध्यमों द्वारा किसानों तक प्रसारित किया जाता है। यह बुलेटिन हिंदी व अंग्रेजी दोनों भाषाओं में होता है।

कृषि मौसम परामर्श बुलेटिन में दी जाने वाली जानकारी:

- आगामी पाँच दिनों के (मध्यम अवधि) मौसम पूर्वानुमान की जानकारी
- खेतों की तैयारी एवं विभिन्न फसलों को लगाने के समय एवं विधि की जानकारी
- निराई-गुड़ाई, खाद व उर्वरक प्रयोग संबंधित सलाह
- मौसम आधारित रोग एवं कीट का पूर्वानुमान एवं प्रबंधन की जानकारी
- फसल कटाई एवं भंडारण की जानकारी
- प्रकृति की चरम घटनाओं की भी जानकारी जैसे सूखा, बाढ़, बिजली व गरज, ओलावृष्टि, शीतलहर, पाला, ताप की लहर इत्यादि
- मौसम की स्थिति के अनुसार मत्स्य पालन , पशुपालन, मुर्गी पालन आदि की भी सलाहें दी जाती है।

प्रसार सेवाएँ:

कृषि मौसम परामर्श बुलेटिन जिला झज्जर और उसके 7 खण्डों (बादली, बहादुरगढ़, बेरी, झज्जर, मातनहेल, माछरौली और साल्हावास) के आने वाले पाँच दिनों के मौसम पूर्वानुमान और दैनिक मौसम के आंकड़ों पर आधारित होता है। इस से प्राप्त जानकारी समाचार पत्रों, किसान पोर्टल, व्हाट्सप्प ग्रुप, एस एम एस, जिला कृषि अधिकारी कार्यालय, रेडियो, ईमेल और मेघदूत एप्प के माध्यम से किसानों को भेजी जाती है।

कृषि मौसम परामर्श बुलेटिन का प्रारूप:

मौसम सारांश/चेतावनी	Weather summary/ alert
सामान्य सलाह	General advisory
लघु संदेश सलाह	SMS advisory
फसल विशिष्ट सलाह	Crop Specific advisory
बागवानी विशिष्ट सलाह	Horticulture specific advisory
पशुपालन विशिष्ट सलाह	Livestock specific advisory

e-ISSN No. 2583-0937

अन्य (मृदा/भूमि तैयारी) विशिष्ट सलाह	Other (Soil/ land preparation) advisory

मौसम पूर्वानुमान संबंधित विभिन्न मोबाइल एप्प:	
मौसम एप्प: यह एप्प स्थान विशेष मौसम की जानकारी उपलब्ध करवाता है।	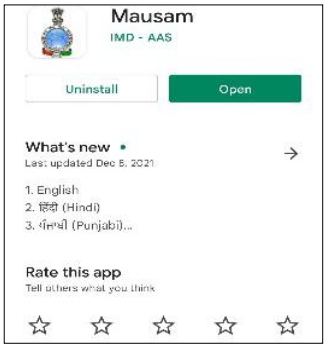
दामिनी एप्प: यह एप्प समय से पहले ही बिजली, वज्रपात जैसी घटनाओं की होने की जानकारी देता है। बिजली गिरने पर बचाव कैसे करें, सुरक्षा उपाय के अलावा प्राथमिक चिकित्सा संबंधी जानकारी भी इस में दी गई है।	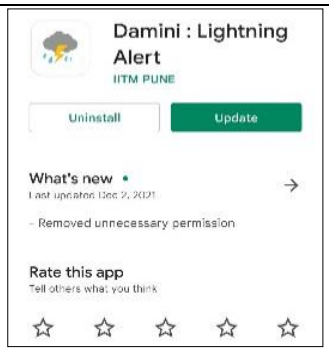
मेघदूत एप्प: इस एप्प के माध्यम से स्थानीय भाषा में मौसम पूर्वानुमान आधारित कृषि और पशुपालन सलाह प्राप्त की जा सकती है।	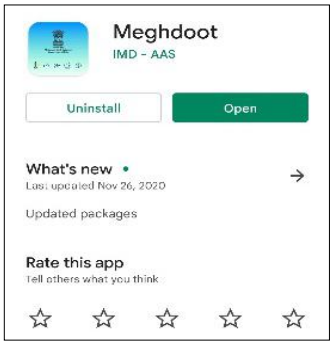

e-ISSN No. 2583-0937

ई मौसम एचएयू एप्प: यह एप्प मौसम पूर्वानुमान के साथ-साथ फसल, सब्जी और बागवानी प्रबंधन की विस्तृत जानकारी प्रदान करता है।

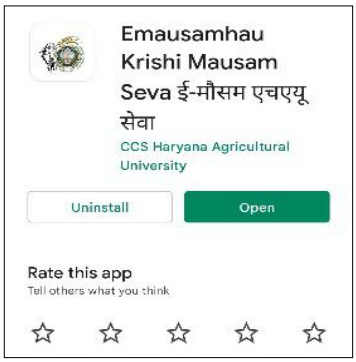

परियोजना का किसानों के जीवन पर प्रभाव:

यह योजना किसानों को लाभान्वित कर रही है। इससे उनकी आजीविका पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। बदलते मौसम से होने वाला नुकसान कम हुआ है। वर्षा संबंधित पूर्वानुमान सही समय पर मिलने से सिंचाई, कीटनाशकों व अन्य कृषि रसायनों का सही उपयोग हो रहा है और किसान व्यर्थ के खर्चों से बच रहा है। फसलों की कटाई और उपज के सुरक्षित भंडारण की सलाह से किसान अपनी आमदनी में इजाफा कर रहे हैं। इस प्रकार उनका वैज्ञानिक खेती की तरफ रुझान बढ़ रहा है और वें हर हफ्ते मौसम पूर्वानुमान की जानकारी का इंतजार करते हैं तथा अपने संपर्क के किसानों को भी व्हाट्स एप्प के द्वारा यह सूचना भेजकर लाभ पहुँचा रहे हैं।